नया औद्योगिक हब बन रहा यूपी, निवेशकों की पहली पसंद

16 देशों से लौटी मंत्रियों की टीम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से साझा किये अनुभव, दिया निवेश का विवरण

जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य के तौर पर उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा बाजार भी है। औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर संभावनाओं के साथ उत्तर प्रदेश देश के नए इंडस्ट्रियल हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। बेहतर औद्योगिक नीतियों के साथ ही मजबूत कानून-व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर उद्यमियों को आकर्षित कर रहा है। उत्तर प्रदेश विदेशी निवेशकों की भी पहली पसंद बन रहा है। इसका अंदाजा हाल में योगी सरकार के मंत्रियों की विदेश यात्रा के दौरान कई निवेश प्रस्तावों के मिलने की सफलता से लगाया जा सकता है।

16 देशों के 21 शहरों में हुए रोड शो और बिजनेस मीट का संयुक्त परिणाम 7.12 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। यह निवेश प्रत्यक्ष तौर पर उत्तर प्रदेश में सात लाख से अधिक लोगों के रोजगार का जरिया भी बनेगा। 10 से 12 फरवरी के बीच लखनऊ में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से योगी सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य तय किया है। इस लिहाज से देखें तो मंत्रियों का पहला ही दौरा 70 प्रतिशत से अधिक सफलता अर्जित कर लौटा है।

यह पहला अवसर है कि जब उत्तर प्रदेश की टीम एक बड़े लक्ष्य के साथ दुनिया भर के निवेशकों को आमंत्रित करने वैश्विक भ्रमण पर गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 पर चर्चा एवं मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की सफलता का बड़ा आधार बनेगा जीआईएस 2023

समिट से पहले दुनिया भर के निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण देने की योगी सरकार की कार्ययोजना को बड़ी सफलता मिली है। 16 राष्ट्रों में हुए रोड शो से अब तक जो 7.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, उनमें अकेले अमेरिका और इंग्लैंड से ही चार लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। विदेश में रोड शो को इस सफलता से यह सुनिश्चित हो गया है कि उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 ऐतिहासिक होने जा रहा है। जीआईएस प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की पूर्ति में बड़ा आधार भी बनेगा।

हीरो, एवन व वेव ग्रुप जैसे भारतीय उद्योग समूह भी उत्तर प्रदेश में करेंगे तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर भारतीय उद्योग समूह भी खासा उत्साहित है। हीरो, एवन जैसे देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूहों के प्रमुखों सहित अन्य उद्यमियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर करीब तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। योगी सरकार की औद्योगिक नीतियों और निवेश के अनुकूल वातावरण से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री के समक्ष एवन साइकिल ग्रुप ने 500 करोड़ रुपये, हीरो ग्रुप ने 350 करोड़ रुपये, वेव ग्रुप ने 2000 करोड़ रुपये और सुप्रीम ग्रुप ने 100 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है।

इन सेक्टर पर रहा जोर

विदेशी उद्यमियों ने हॉस्पिटैलिटी, फूड प्रोसेसिंग, ड्रग्स व फार्मा, मेडिकल डिवाइस, केमिकल, टूरिज्म, लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग, ग्रीन हाइड्रोजन, ईवी बैटरी निर्माण, एमएसएमई, दुग्ध, शिक्षा, डिफेंस एंड एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ड्रोन निर्माण, कृषि, टेक्सटाइल, स्टील मैन्युफैक्चरिंग, हार्टिकल्चर, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, डेटा सेंटर, सिल्ट बेसिन मैनेजमेंट आदि सेक्टर में निवेश के प्रस्ताव दिए हैं। इमामी, रोकमान, एयर लिक्विड, यामाहा, कीमॉन फार्मास्युटिकल, करयूटिंग, निलास, एसएनआइ ग्रुप, सेमसंग, अकामिया, परिवहन, मदरसन, एनटीटी ग्लोबल, मित्सुई जैसी कंपनियों ने उत्साह दिखाया है।

निवेशकों को हर संसाधन उपलब्ध कराएगी डेडिकेटेड टीम

विदेश में जिन कंपनियों, संस्थाओं, औद्योगिक समूहों के साथ एमओयू हुआ है, उनसे लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए हर देश के लिए वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए एक डेडिकेटेड टीम बनाई गई है। यह टीम निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुसार हर संसाधन उपलब्ध कराएगी।

> आज उत्तर प्रदेश में जितने किलोमीटर एक्सप्रेसवे पर काम हो रहा है, वह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आधुनिक एक्सप्रेसवे का सशक्त नेटवर्क उत्तर प्रदेश के सभी इकोनॉमिक जोन को आपस में कनेक्ट करने वाला है। उत्तर प्रदेश के विकास के लिए, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए जिस भी सेक्टर में, जो भी रिफॉर्म आवश्यक होंगे, वो रिफॉर्म निरंतर किए जाते रहेंगे। हम नीति से भी विकास के साथ हैं, निर्णयों से भी विकास के साथ हैं, नीयत से भी विकास के साथ हैं और स्वभाव से भी विकास के साथ हैं। यह उत्तर प्रदेश ही है, जो 21वीं सदी में भारत की ग्रोथ स्टोरी को मोमेंटम देगा।
>
> **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

> आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म एण्ड ट्रान्सफॉर्म' के मंत्र को उत्तर प्रदेश ने चरितार्थ किया है। फरवरी, 2023 में आयोजित होने जा रहा उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रदेश के आर्थिक विकास एवं समृद्धि को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहे, सुरक्षा व संभावना के प्रतीक 'नए उत्तर प्रदेश' की नवोन्मेषी धरा सभी सम्मानित निवेशकों का आह्वान करती है कि लोक-कल्याण और उद्यमिता की इस यात्रा के आप सभी साक्षी बनें।
>
> -योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सिंगापुर, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों से मिले निवेश के प्रस्ताव

नोएडा, ग्रेटर नोएडा आदि क्षेत्रों के साथ-साथ गोरखपुर, काशी, प्रयागराज, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर आदि शहरों में निवेश के लिए उत्सुकता

पेरिस में हुए रोड शो और बिजनेस मीट के दौरान फ्रांस की कंपनियों ने कृषि व एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जाहिर की है। वहीं, जापान और दक्षिण कोरिया में कंपनियों के साथ 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए। सिंगापुर की कंपनियों ने भी 7,700 करोड़ रुपये के एमओयू किए। फ्रांस में हुए रोड शो व बिजनेस मीट में कई निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। प्रतिनिधिमंडल ने इनोटेरा एसी के सीईओ पास्कल फान से मुलाकात की। इस दौरान 1000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए गए। प्रतिनिधिमंडल ने थेल्स ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स) मार्टिन क्लाउस से मुलाकात की और उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। इंटरनेशनल कार्पोरेशन के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट माइकल पिसकाफ ने उत्तर प्रदेश में एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस के क्षेत्र में निवेश का प्रस्ताव दिया।

जापान एवं दक्षिण कोरिया से 50,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद

जापान और दक्षिण कोरिया में प्रमुख औद्योगिक घरानों से 25,456 करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 से पूर्व इन देशों से 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश और मिलने की उम्मीद है। लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का एमओयू सिर्फ जापान और दक्षिण कोरिया की कंपनियों से होगा।

सिंगापुर की कंपनियों ने पार्किंग और ट्रैफिक सिस्टम की नई तकनीक में दिखाई रुचि

सिंगापुर में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों के साथ वन टू वन बिजनेस मीटिंग के दौरान 7,700 करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। सिंगापुर की कंपनियों ने पार्किंग एवं ट्रैफिक सिस्टम की नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने सिंह टेक्नोलाजी और स्टार कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चार हजार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे।

सिंगापुर ने डाटा सेंटर में भी दिखाई रुचि

यूपीसीडा ने सिंगापुर में स्टार कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड के साथ उत्तर प्रदेश में डाटा सेंटर व लाजिस्टिक सेवाओं के लिए एमओयू साइन किया। इस एमओयू के जरिए उत्तर प्रदेश में दो हजार करोड़ रुपये का निवेश आएगा। इसी तरह सिंगापुर के एसएलजी कैपिटल के साथ भी प्रदेश में डाटा सेंटर के लिए एमओयू किया गया। 100 करोड़ डालर (8273 करोड़ रुपये) के निवेश से प्रदेश को टेक्निकल ग्रोथ के साथ रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

वाराणसी में स्थापित होगा पेशेंट डाटा एक्सचेंज

उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत में फ्रांस की कंपनियों ने खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, डेयरी, नवीनीकरण ऊर्जा, रक्षा और जल यातायात के क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है। वहीं, हेल्थकेयर सेंटर में कार्य करने वाली पार्टेक्स एनवी के साथ एक हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए। पार्टेक्स एनवी वाराणसी में पेशेंट डाटा एक्सचेंज स्थापित करेगी।

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT 10-12 FEBRUARY, 2023
New India's Growth Engine

35 हजार करोड़ रुपये के निवेश से बनेगी 'नालेज स्मार्ट सिटी'

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रियों की टीम कई देशों में बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश आकर्षित करने में सफल रही है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में ऑस्टिन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ नालेज स्मार्ट सिटी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। नालेज स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए करीब पांच हजार एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 35 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। नालेज स्मार्ट सिटी में दुनिया की ख्यातिप्राप्त यूनिवर्सिटीज का समावेश होगा। वहीं, सिंगापुर में भी निवेश के कई प्रस्ताव और एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में स्कोनी वर्ल्ड फाउंडेशन ने एमओयू साइन किया। ऑस्टिन कंसल्टिंग ग्रुप ने उत्तर प्रदेश में नालेज स्मार्ट सिटी के लिए 42 बिलियन डालर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) का एमओयू साइन किया गया। यह नालेज स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की पांच हजार एकड़ की जमीन पर बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में नेक्स्ट यूनिवर्सिटीज आएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि इस प्रोजेक्ट से उच्च शिक्षा की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। वहीं, फाल्कन ग्रुप के सीईओ मुरली निवाला के साथ भी तीन एमओयू साइन हुए। इनमें विशेष रूप से नोएडा में एक सेंटर बनाया जाएगा। इसके साथ ही 20-20 करोड़ रुपये के दो निवेश अन्य जिलों में किए जाएंगे। फाल्कन ग्रुप एक फिनटेक स्टार्टअप कंपनी है। इसके प्रतिनिधियों ने इन्वेस्ट यूपी के तहत ईकमर्शियल व एकेडमिक यूनिट लगाने में रुचि दिखाई है। यहां पर प्रतिनिधिमंडल सैन फ्रांसिस्को में ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप आर्गनाइजेशन टाई के सदस्य व सिलिकान वैली के निर्माण में योगदान देने वाले भारतीयों से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे उत्तर प्रदेश में सिलिकान वैली बनाने की अपील की, ताकि भारतीय भी इसका लाभ उठा सकें।

उधर, जापान में रोड शो के दौरान तोक्यो एडवांस लिमिटेड के डायरेक्टर युकीनोरी कोबे ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ गौतम बुद्ध नगर में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए 650 करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया। यह निवेश प्रस्ताव 200 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करेगा।

ऑस्ट्रेलिया की डिप्टी हाई कमिश्नर सुश्री सारा स्टोरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल से भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन से आएगा बड़ा निवेश

जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन में पिछले दो दिनों में किए गए रोड शो का परिणाम यह रहा कि फार्मास्युटिकल, बिजनेस डेवलपमेंट, कैपिटल मार्केट, व्हीकल मोटर इंडस्ट्री, टेक्नोलाजी, टेलीकाम और फूड प्रोसेसिंग के साथ ही डिफेंस सेक्टर से जुड़े उद्योग ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिये उत्तर प्रदेश में कदम रखने जा रहे हैं।

जर्मनी में सैमसन, कांटिनेंटल एजी, इवोनिक एजी, जैक टेक्नोलाजी, जीएमबीएच जैसी कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया है।

अमेरिका-इंग्लैंड से चार लाख करोड़ रुपये के निवेश पर करार

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के माध्यम से अब तक का सबसे बड़ा निवेश अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों से आएगा। इन देशों के दौरे पर गए उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने प्रतिष्ठित कंपनियों एवं औद्योगिक घरानों से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए 4.07 लाख करोड़ रुपये के 21 निवेश प्रस्तावों को समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है। प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के न्यूयार्क, सैन फ्रांसिस्को एवं इंग्लैंड के लंदन में प्रमुख कंपनियों के साथ कई दौर की वार्ता की और कंपनियों को यह समझाने में सफल रहे कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास का नया केंद्र बन रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ इंजन में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। इन देशों के उद्यमियों को आईटी, आवास, स्वास्थ्य, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, पर्यटन, शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में निवेश का प्रस्ताव दिया। इन देशों ने निवेश फ्रेंडली स्टेट बनकर उभरे उत्तर प्रदेश में करोड़ों उपभोक्ताओं को देखते हुए बढ़चढ़ कर निवेश में दिलचस्पी दिखाई है।

जर्मनी के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में लाजिस्टिक, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर एंड फार्मा, टूरिज्म, आटोमोबाइल क्षेत्र में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है।

यूएई से आएगा 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में बड़े निवेश की इच्छा जताई है। लाजिस्टिक और ऊर्जा सेक्टर के अलावा हेल्थकेयर तथा ग्रीन एनर्जी में निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। यूएई से उत्तर प्रदेश में करीब 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश आएगा। निवेशकों ने इन प्रस्तावों को लेकर एमओयू भी किया है। यूएई दौरे के क्रम में हुए रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने 200 निवेशकों से मुलाकात की है। कार्पोरेट जगत की करीब 50 बड़ी हस्तियों के साथ वन टू वन बातचीत की। लुलु ग्रुप के चेयरमैन युसुफ अली ने नोएडा, वाराणसी और गोरखपुर में भी माल खोलने की इच्छा जताई है। लुलु ग्रुप इस प्रोजेक्ट पर करीब 5800 करोड़ रुपये निवेश करेगा। वहीं डीपी वर्ल्ड के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश के पार्कों में लाजिस्टिक और कार्गो के क्षेत्र में ज्वाइंट वेंचर पर सहमति जताई है। वीपीएस हेल्थकेयर के डा. शमशीर को मेडिकल और रिसर्च के क्षेत्र में निवेश का आमंत्रण दिया गया है। ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भी करीब 13000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

यूपीसीडा ने 6,300 करोड़ रुपये का कराया निवेश : 350 कम्पनियों ने किया अनुबंध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कनाडा के अध्यक्ष ... भेंट करते हुए

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में फरवरी में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर यूपीसीडा को 15,000 करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य दिया गया था। यूपीसीडा की तरफ से लगातार निवेशकों को लाने के लिए कार्य किए जा रहे हैं, जिसके चलते यूपीसीडा की तरफ से अब तक 6,300 करोड़ रुपये के निवेश के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

स्टेट डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीसीडा) ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर लगातार निवेशकों से बातचीत कर रही है और अपने क्षेत्र में निवेश कराने के लिए निवेशकों को रिझा रही है। इस दौरान करीब 350 से ज्यादा कंपनियां यहां पर निवेश करने के लिए अनुबंध कर चुकी हैं। यूपीसीडा का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा कंपनियों और निवेशकों को क्षेत्र में लाना है। इसको लेकर निवेशकों और उद्यमियों से लगातार बात की रही है और काफी निवेशक यहां पर रुचि भी दिखा रहे हैं। कई निवेश के प्रस्ताव भी यूपीसीडा के पास आ रहे हैं।

हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

अब तक 350 से ज्यादा कंपनियां यहां पर निवेश करने के लिए अनुबंध कर चुकी हैं, जिससे हजारों लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

ADVERTORIAL